

No. of Printed Pages : 6

**ES-334**

**BACHELOR OF EDUCATION (B. Ed.)**

**Term-End Examination**

**December, 2020**

**ES-334 : EDUCATION AND SOCIETY**

*Time : 3 Hours*

*Maximum Weightage : 70%*

---

**Note :** (i) *All questions are compulsory.*

(ii) *All questions carry equal weightage.*

---

---

1. Answer the following question in about **600** words :

Discuss the recommendations made by the Mudaliar Commission and the Kothari Commission on examination system at school stage.

*Or*

How do you perceive inequality in your school ?  
Discuss the consequences of inequality in educational practices.

2. Answer the following question in about **600** words :

Why is education considered as an instrument for social change ? Enumerate your answer with suitable examples.

*Or*

Discuss the role of society in strengthening the schools. Analyse the role of school as a change agent for the society.

3. Answer any **four** of the following questions in about **150** words each :

- (a) Why is 'home' considered as an agency of education ?
- (b) Explain the concept of school from the perspective of pragmatism.
- (c) Briefly mention the recommendations of University Education Commission (1948-49).

- (d) What are various types of schools in Indian education system ? How are they different from one another ?
  - (e) Discuss the strategies to reduce wastage and stagnation in schools.
  - (f) What are the salient features of National Policy on Education (1986) with regard to secondary education ?
4. Answer the following question in about **600** words :

As a teacher, what changes, do you visualise, that are to be brought in policy making with regard to vocational education at school level to meet the present-day requirements ? Discuss in detail.

**ES-334**

शिक्षा में स्नातक ( बी. एड. )

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

ई.एस.-334 : शिक्षा और समाज

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

---

**नोट :** (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

---

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में

दीजिए :

विद्यालयी स्तर पर परीक्षा तंत्र के सन्दर्भ में मुद्दालियर

आयोग और कोठारी आयोग की अनुशंसाओं की चर्चा

कीजिए।

### अथवा

आप अपने विद्यालय में किस प्रकार की असमानता देखते हैं? शैक्षणिक अभ्यासों पर असमानता के प्रभावों की चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

शिक्षा में सामाजिक परिवर्तन का उपकरण क्यों माना जाता है ? उचित उदाहरणों की सहायता से अपना उत्तर स्पष्ट कीजिए।

### अथवा

विद्यालयों को मजबूत बनाने में समाज की भूमिका की चर्चा कीजिए। समाज में परिवर्तन के अभिकर्ता के रूप में विद्यालय की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

(क) 'घर' को शिक्षा के एक अभिकरण के रूप में क्यों माना जाता है ?

(ख) प्रयोजनवादी दृष्टिकोण से विद्यालय के सम्प्रत्यय की व्याख्या कीजिए।

(ग) विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (1948-49) की अनुशंसाओं का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।

(घ) भारतीय शिक्षा तंत्र में विद्यालयों के विविध प्रकार कौन से हैं ? वे एक-दूसरे से कैसे भिन्न हैं ?

(ङ) विद्यालयों में अपव्यय एवं अवरोधन को कम करने की युक्तियाँ सुझाइए।

(च) माध्यमिक शिक्षा के सन्दर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) के महत्वपूर्ण बिन्दु क्या हैं ?

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

आजकल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विद्यालय स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा के सन्दर्भ में आप ऐसे कौन से परिवर्तन एक शिक्षक के रूप में देखते हैं जो नीति निर्माण में होने चाहिए ? विस्तार से वर्णन कीजिए।